श्री गणनायक स्तुति

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ।
लड्डुयन को भोग लगे, सन्त करे सेवा ।।जया।
एकदन्त दयावन्त चारभुजाधारी ।
मस्तक सिन्दुर सोहे मूसे की सवारी ।।जया।
अंधन को आंख देत, कोढिन को काया ।
वांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ।।जया।
हार चढ़े, पुष्प चढ़े और चढ़े मेवा ।
सूरदास शरण आयो, सुफल करो सेवा ।।जया।

गाइये गणपति जगवन्दन । शंङ्कर-सुवन भवानीनन्दन ।।
सिद्धिसदन गजवदन विनायक । कृपासिन्धु सुन्दर सब लायक ।।
मोदक प्रिय मुद मङ्गलदाता । विद्यावारिध बुद्धि विधाता ।।
मांगत तुलसीदास कर जोरे । बसहिं रामसिय मानस मोरे ।।

AARTI GANESHJI KI

Jay Ganesh Jay Ganesh Jay Ganesh-devaa
Maata jaki Parvati pitaa Mahaadevaa Jay..

Ek dant dayaavant chaarbhujaa-dhaari
Maathe sindoor sohe musak ki savaari Jay..

Andhanko aankha det kodhinko kaayaa
Banzanko putra det nirdhanko maayaa Jay..

Paan chadhe phool chadhe aur chadhe mevaa
Ladduanka bhog lage sant kare sevaa Jay..

Dinanki laaja rakho shambhu-putra vaari
Manorathko pooraa karo jayen balihaari Jay..